

6:07.2020

पाठ-। र-वतंत्रता का दीपक - (कविता) गोपाल सिंह नेपाली

शब्द-कुंजी

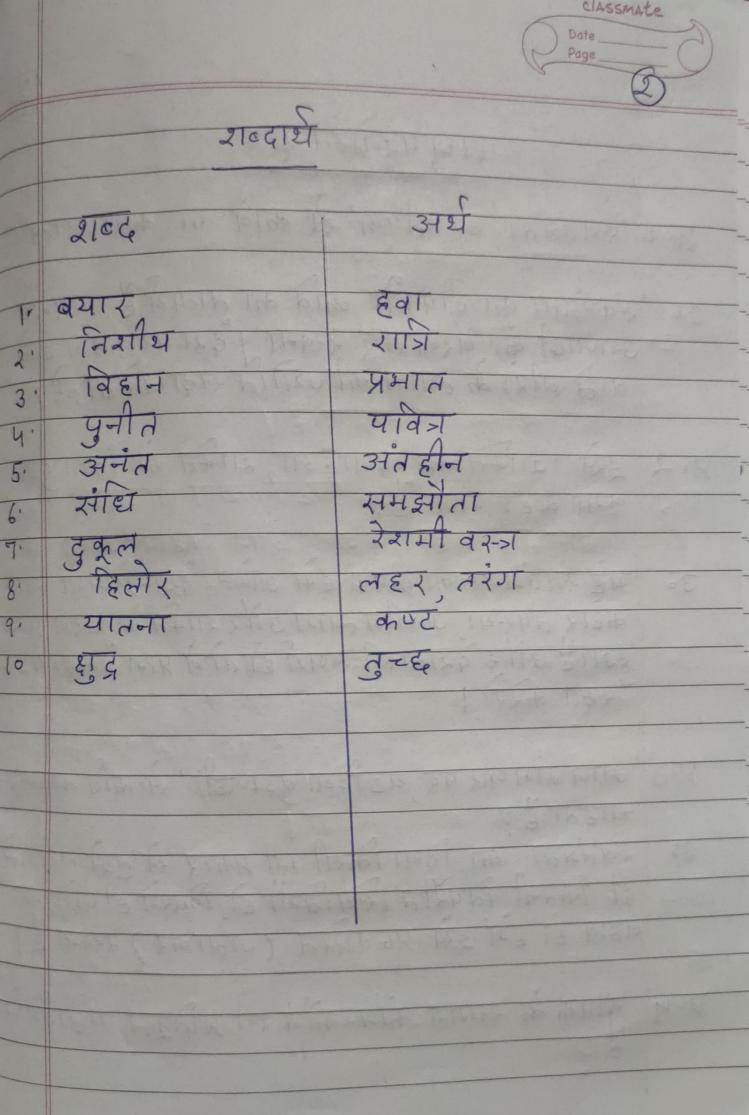
1. निश्चिय 2. शाक्त 3. शाक्त प. उननंत

5. युद्ध 6. वार्य

7. कहार

9. प्राणदान

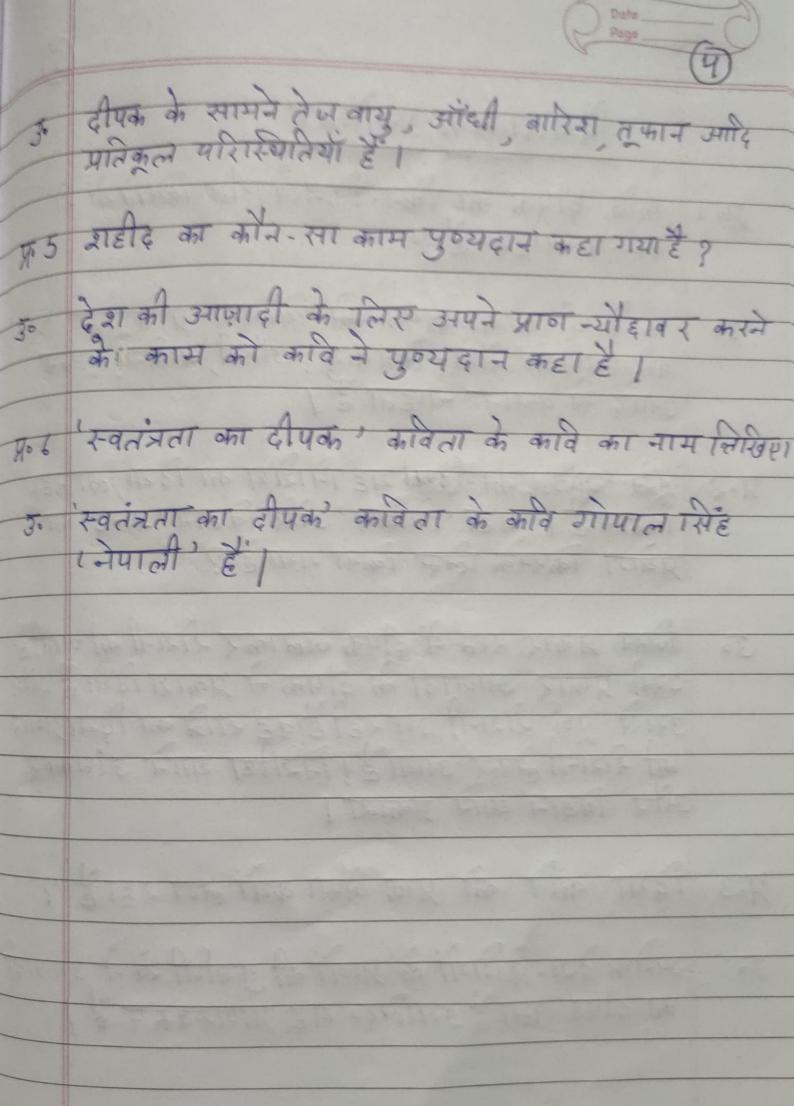
। ही दे



Date Page 3

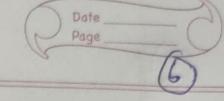
## लघु प्रयनोत्तर

- प्रा 'स्वतंत्रता का दीपक' से कार्व का क्या तात्पर्वहें
- उन्वतंत्रता का दीपकरेन कार्व का तात्पर्य है उनपनी उमाजादी की बरकरार रखना दिश पर कुर्बान होने वाले बीरों के त्यांग की ज्योति सदा जलंती रहे।
- प्र. 2 इसे 'शामित का दिया हुआ, शामित को दिया हुआ,
  - उठ यह स्वतंत्रता का दीपक हमें उननेक देश-प्रिमेशों की करोर तपर-या, उनसीम त्यागं उनीर शास्त के कार्व प्राप्त हुआ है उनीर देशवासी समर्थ हों तो वे प्राण देकर भी इसकी रक्षा करेंगे।
  - प्राच गंगधार पर यह दिया बुझे नहीं से कार्व क्या कहना
  - उच्च र-वतंत्रता का दिया किली भी प्रकार से बुझे नहीं भले ही किलनी विषरीत रिश्वतियों हों, किलने ही ज़ोर का वहाव हो हमें द्वसे प्रज्वालत (जलाकर) रखना है।
- प्रच्य दीपक के स्पामने कोन-कोन स्पी प्रतिकृत परिरास्थितियाँ



## विचारात्मक प्रश्मोत्तर

- प्रा कित दीपक को किन-किनिविषरीत स्थितियों से बनाना नाहता है?
- उ॰ कार्व दीपक को दीपक को विभिन्न प्रतिकृत परिश्चितियों जैसे- तेजवायु, ऑखी, बारिश, तूमान उनादि से बनाना नाहता है।
- प्रभाग किसके लिए किया गया है?
  - उन जिस प्रकार रात में दीपक जलाकर रोशनी की जातीहै उसी प्रकार आज़ादी के दीपक ने प्रकाश दिया है और उससे पूर्ण रोशनी उना रही है। वह रात्रि का दिया प्रभात की रोशनी लेकर अथा है। निशीध यानि अंधकार और विहान यानि प्रकाश।
- प्र. 3 दिया कवि को प्राण जैसा क्यों लग रहा है?
- उ० अनेक देश-प्रेशियों के प्राणों की कुर्बानी से ये अगज़ादी का दीपक जला है इसलिए यह प्राणर-वरूप है।



पूज्प बॉस, बबूल, उरीर घारन किसके प्रतीक हैं?

30

बीस, बबूल उमीर घारा समस्याओं, कण्टों और

वाब अगेर मज़ार पर भी कवि स्वतंत्रता का दिया क्यों जलाना चाहता है?

कवि र-वतंत्रता की बलिवेदी पर अपने प्राठा देने वालों को अपनी श्रद्धांजाले उनिर्वित करना चाहता है उनको विशेष सम्मान देने के लिए कब्र, और मज़ार पर दीपके जलाना चाहता है।